

मृच्चार्य सर्वधर्मेभ्यो वा त्वा मधि मृचन ॥ न ना धर्म काय निष्ठादि रुम धर्म सं
ग काय मृत्या दयिं तुं स्व वज्र जा कि नो रि द्व तारि श्वा त्मानं शा व ॥
उज उवज्र सत्व मृच ना व स मि द्वि म ह ॥ उद ७ इ का व ना य स म था म ह नि मि न
॥ उ व ४ वज्र म्हा ट गु म्भं ग न द द ध न ॥ ॥ उ मृ ४ मृ ता स का या वज्र मृ
लि म क मां ली य व इ ॥ न न्म धा व न्दु म पु ला का यं रा व य न ॥ हा ना द व द न ॥ य नः
रु इ य मि मृ का ना दि व हे या रि नि षा न्न य रि पु र्श्च न्दु म पु लं रा व य न ॥ न न्म

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वज्रवज्रादत्त वीजवज्रादत्त विविक्त ॥ समस्त

० नमो कालं कुर्यात् ॥ ॐ वज्रशुद्धा सर्वधर्मा वज्रशुद्धादं ॥ वज्रादं ॥ ॐ
नमस्तु वज्रवज्रादि निषान्न सर्वथा गता विषयद निषार्य सर्वला कक्षा
षु सत्त्वार्थकत्वायूनः सज्जयन्ते वयवगाधः सत्त्वात्त जावं कुर्यात् ॥
॥ ॐ वलमानादंदा विमो ॥ सर्वलक्षणसंयुक्तं सत्त्वात्त कः ॐ यत्र न ॥ विमो

षु उच्चैव घना घनसमश्नि ॥ विनयंदासि कक्षा वज्रं गत्र स संयुक्तं ॥ सत्त्व
ययं कवस्थान कपालमकृता कलं ॥ विनयं गमिस्तु लददं ॥ सज्जयन्ते सज्जयन्ते
न ॥ वज्रपथा वज्रं गत्रा घना गत्रा न कामुका विजयता वयुना र्थं वदयाग
स्वयं विष्ट ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ वज्रादं ॥ ॐ वज्रादं ॥ ॐ वज्रादं ॥
स्वादा ॥ ॐ वज्रशुद्धा सर्वधर्मा वज्रादं वज्रादं ॥ लालया वनं गृह्णाग्न्या गः
॥ स्वदादं गत्रा वज्रादं वज्रादं ॥ ॐ वज्रादं ॥ ॐ वज्रादं ॥ ॐ वज्रादं ॥

वनपवनथागनचक्रुदविमलिषकप्रार्थयन ॥ ॥ ॐ नमो भगवते ॥
 धनमकृतायागयाय ॥ ॥ ॐ दं नमो वृद्धानां यस्माकं पुत्रनाथः ॥
 यमकृटपथकृत्नाकृत्वा ॥ ॐ सर्ववृद्ध ४ वीरुमाणिमदामकृटपमिष्टुत्वादा
 ॥ कृपयुटमकृटकृत्वा ॥ ॐ ४ थमा वृद्धा ॥ १ ॥ ॐ वृद्धा नमो ॥
 श्रीलिपिक ॥ ॐ सत्त्ववृद्धि श्रीलिपिक ॥ २ ॥ ॐ वृद्धवृद्धि श्री
 लिपिक ॥ ३ ॥ ॐ धर्मवृद्धि श्रीलिपिक ॥ ४ ॥ ॐ धर्मवृद्धि

श्रीलिपिक ॥ ॐ नमो वृद्धा नमो ॥ ॐ उदकमकृटवृद्ध ४ ममकृत्वा ॥
 योरुवरुत्वा ॥ ॥ श्रीकर्म ४ पाशादि पृथग्याम ॥ ॐ श्रीकर्म ४
 वृद्धा यस्मादा ॥ ॐ श्रीकर्म ४ यस्मादा ॥ ॐ वृद्धममकृत्वा यस्मादा ॥ ॐ श्रीमिता
 यस्मादा ॥ ॐ श्रीमाद्यमिदियस्मादा ॥ ॐ वृद्धा यस्मादा ॥ ॐ श्रीमिता
 पाथुवायस्मादा ॥ ॐ श्रीमाद्यमायस्मादा ॥ ॥ यकपदायपुत्रात्मा
 मुक्ति ॥ ॥ ॐ धर्मपक्षवृद्धानां कृत्वादि कृत्वा लयेवमध्वेवाच

॥ अनाथ यव ॥ ॥ उदय गिलम कूट वा मिम सि लि ॥
वयसयुगं गतिमानि वदुषी ठिकं भगवत ददधवे यात्रि दुकल ॥
युक्कगन यल्लमङ्ग सादियवज्जल पवमयुव ॥
शुलया नाम मूलमल्लजापयाय ॥ धूप आकर्षण यागारि युष्मान् ॥
धूपयाय वाक् ॥ ॥ उरुगवन श्रीमन् ॥
दवीरुहाय कायु आगधन विद्याया जान ॥ ॥ मिहामिह मदान ॥

गभयानि उवाहयव नवयोवन सयन्ता ॥
गभयानि उवाहयव नवयोवन सयन्ता ॥
गभयानि उवाहयव नवयोवन सयन्ता ॥
गभयानि उवाहयव नवयोवन सयन्ता ॥
गभयानि उवाहयव नवयोवन सयन्ता ॥

ASHA ARCHIVES 3732

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

अहोकीर्त्या॥३॥ अहोकीर्त्या॥३॥ अहोकीर्त्या॥३॥

अहोकीर्त्या॥३॥ अहोकीर्त्या॥३॥ अहोकीर्त्या॥३॥

अहोकीर्त्या॥३॥ अहोकीर्त्या॥३॥ अहोकीर्त्या॥३॥

अहोकीर्त्या॥३॥ अहोकीर्त्या॥३॥ अहोकीर्त्या॥३॥

अहोकीर्त्या॥३॥ अहोकीर्त्या॥३॥ अहोकीर्त्या॥३॥

अहोकीर्त्या॥३॥ अहोकीर्त्या॥३॥ अहोकीर्त्या॥३॥

पंचपचावपुत्रा॥ वासा मुनि ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
 श्रुत्य नववदारीमान लघुविन्दुनिवासिनी शुभमाकवृक्षात्मानं उवाच क
 स्वमावक ॥ कलत्क न्याग्निमजीनसमवजयागिनी ॥ ॥ धनसमयः
 मरु यधर्मा ॥ अष्टगन्ध ॐ न्यादि ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॥ ६ गालि
 दवपुत्रा ॥ यमदवपुत्र ॥ यमयास्वपुत्र ॥ यमयाय ॥ जायधृप ॥ नयानन
 आकर्ष ॥ पाशादिपुत्रा न्यास ॥ पूजा वासा मुनि ॥ मरु ॥ ॥ धनः

निव वात्रगुलाधिलकं पूजायावक ॥ यमजजमका स्नान दायक स्वस्ति
 वाक्कपत्रया धनलि समय मरु यधर्मा गाथा ॥ अष्टगन्ध ॐ न्यादि ॥ ॥
 ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ धनलि व वाक्कपुजायावक ॥ दगुलि वलि विय ॥ वाक्क ॥
 ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ रुद्रावक गुनां वा वयम ॥ ॐ यंका वल वायुमपुलं न
 स्थापयिद्रुका वरु यमं जाक वृत्रिका यमी आका व सं जाक वृदस्थ साऊन
 ॥ मरु रुद्रादि कं या विपू विमं ॥ ॐ वृत्रा ॥ ॐ वृत्रा ॥ ॐ वृत्रा ॥ ॐ वृत्रा ॥

वायनमश्वादा ॥ ॐ हृदयत्रिकायनमश्वादा ॥ ॐ वक्रायणीयश्वादा ॥ ॐ
मादयणीयश्वादा ॥ ॐ कोमाणीयश्वादा ॥ ॐ विष्णुवीयश्वादा ॥ ॐ वागोदियश्वा
दा ॥ ॐ ॐ न्यायणीयश्वादा ॥ ॐ चामुण्डायश्वादा ॥ ॐ महालक्ष्मीयश्वादा ॥ ॐ मि
थिनीयश्वादा ॥ ॐ वाग्निनीयश्वादा ॥ ॐ उग्रपालायश्वादा ॥ ॐ वरुणायश्वादा ॥ ॐ
चक्रायश्वादा ॥ पूजा लासा मुक्ति ॥ ॐ श्रीगंगा गङ्गा देवदेव अर्थका धर्मदेव उत्तम
करुण देव देव कपाल लक्ष्मी सहाय देव श्री हनुमान देव वायनमश्वादा ॥ ॐ

[illegible]

न कत्रसं वक्राथ ॥ गुलपागालवक्राय ॥ वाक्त्रवाले विनायकअचकल
या ॥ ॥ ॐ मिसंक्रयुत्रमगुल त्रिसमाधि कलभञ्जय विद्यापी
थयवाञ्छविधिसमाय ॥ ॥ थयालिव कर्मस्त्रयय गलचक्र
यायइला ॥ ॥ गुरु ॥ ॥ ॐ
१८ नमाणीन्यायावलाकिरुधवाय ॥ वाधिसन्वाय मदरात्वाय मदा
कावृद्धिकाय ॥ नमः ॥ ८ नमाणीलाकनाथय ३ लाकवल लाक